सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, भा.प्र.से.
अपर सचिव एवं विकास आयुक्त

Surendra Nath Tripathi, IAS
Additional Secretary & Development Commissioner

भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
निर्माण भवन, नई दिल्ली–**110108**

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
NIRMAN BHAWAN, NEW DELHI-110 108

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं ।

भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था । इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/कार्यालयों में हम इस दिन हिंदी दिवस का आयोजन करते हैं । हिंदी प्राचीन काल से हमारे देश में जनसंपर्क की भाषा रही है । आजादी की लड़ाई के दौरान भी देश को एक मजबूत समाज के रूप में उभारने और जन चेतना जगाने में हिंदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था "हिंदी भाषा की उन्नति का अर्थ है राष्ट्र और जाति की उन्नति" । कोई भी देश अपनी भाषा के प्रयोग से ही सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी आदि सभी क्षेत्रों में उन्नति कर सकता है। हमें देश के विकास के लिए भी हिंदी को अधिक से अधिक अपनाना चाहिए । इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. सुब्रह्मणयम भारती ने भी कहा था कि "राष्ट्र की एकता एकता को यदि बनाकर रखा जा सकता है तो उसका माध्यम हिंदी में ही हो सकता है" ।

भाषा में जो सहजता और सरलता मौलिकता से आती है वह अनुवाद से नहीं आती। इसलिए हमें अनुवाद पर निर्भर होने की बजाय स्वयं अपना सरकारी कामकाज मूल रूप से हिंदी में ही करना चाहिए । हिंदी में कार्य करना कठिन नहीं है । यह हम सबों के प्रयास और दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है ।

मैं इस अवसर पर संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आह्वान करता हूं कि वे अपने रोजमर्रा के सभी सरकारी कामकाज हिंदी में ही करें और अन्य लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें । मुझे पूरी आशा है कि अपने सामूहिक और सार्थक प्रयासों से हम हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और प्रयोग को एक नया आयाम देंगे ।

जय हिंद, जय हिंदी ।

(सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी)

नई दिल्ली
28.08.2017

'A' Wing, 7th Floor, Nirman Bhawan, New Delhi-110108 Tel.: +91-11-23061176 Fax : +91-11-23062315
E-mail : dcmsme@nic.in, website : www.dcmsme.gov.in